



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

27/2/87

सं० 3]
No. 3]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 23, 1987/माघ 3, 1908
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 23, 1987/MAGHA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 डी (i) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1987

निर्देश सं. आइ. ए. सी. /एक्यू/6/एस आर-1/4-86/579-
अतः मुझे, श्री ट. के. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269 (ख) के अधीन सक्षम अधिकारी,
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक
है और जिसकी संख्या-----है तथा जो मकान नं० 1314,
1314-ए, 1314-बी और 2779 गली मुग्लियन, कश्मीरी

गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1986 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे ये विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 42) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए, और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 : घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. चौ. हरपाल सिंह मुपुख चौ. हुकम सिंह निवासी—कैलास अपार्टमेंट, लाला लाजपत राय रोड, दिल्ली-48 (अन्तरक)
2. मैमर्स क्वीक बिल्डर्स प्रा. लिमि. 2861, छैलपुरी, किनारी बाजार, दिल्ली द्वारा डायरेक्टर किशन चंद राठी।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा .

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञेहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1314-1314ए, 1314बी और 2779-गनी मुग्लियान, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

टी.के.शाह, सक्षम अधिकारी

तारीख 8-1-87

मोहर

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE VI

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 8th January, 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/SR-I/4-86/579. —
Whereas I. T. K. Sah being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1314-1314-A, 1314-B & 2779 Gali Mugalian, Kashmiri Gate, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, Delhi on April, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore,, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ch. Harpal Singh S/o. Ch. HuKam Singh, R/o. Kailash Apartment, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi-48. (Transferor)
- (2) M/s. Quick Builders Pvt. Ltd., 2861, Chail-puri, Kinari Bazar, Delhi through its Director Kishan Chand Rathi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the aforesaid property within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

“H. No. 1314-1314-A, 1314-B & 2779, Gali
Mugalian, Kashmiri Gate, Delhi.

Dated : 8th January, 1987.

T. K. SAH, Competent Authority.

SEAL

